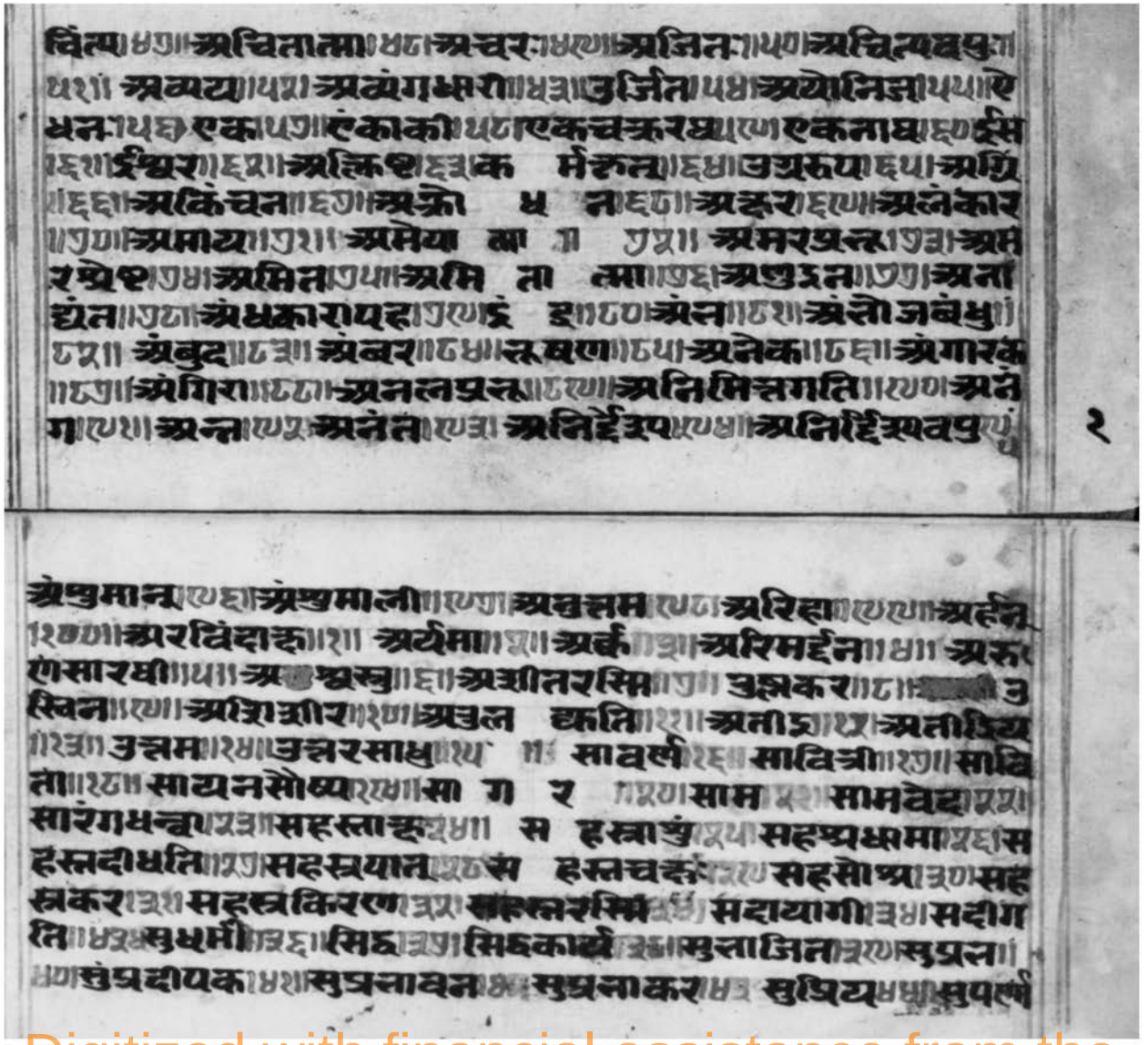

चिंत्य ४७ अचिंतात्मा ४८ अचर ४९ अजिन ५० अक्षोभ्य
५१ अव्यय ५२ अव्यंगभरण ५३ अजित ५४ अयोनिज ५५ ए
धनय ५६ एक ५७ एकाकी ५८ एकचक्ररथ ५९ एकनाथ ६० ईस
६१ ईश्वर ६२ अक्लिश ६३ क मैकल ६४ उग्ररूप ६५ अग्रि
६६ अकिंचन ६७ अक्रो ध न ६८ अक्रूर ६९ अनेकाकार
७० अमाय ७१ अमेय मा ७२ अमरप्रभ ७३ अम
रप्रेष्ठ ७४ अमित ७५ अमि ता ७६ अमृत्यु ७७ अमा
हंत ७८ अधकारारद ७९ इं इ ८० अंस ८१ अंसो जबंधु
८२ अंबुद ८३ अंबर ८४ स्फुरण ८५ अनेक ८६ अंगारक
८७ अंगिरा ८८ अनलप्रभ ८९ अनिमिषगति ९० अने
ग ९१ अन्न ९२ अनेत ९३ अनिर्देश्यप ९४ अनिर्देश्यवपु

२

अंशुमान ९५ अंशुमाली ९६ अवत्सम ९७ अरिहा ९८ अर्हन्
९९ अरविंदाक्ष १०० अर्यमा १०१ अर्क १०२ अरिमर्दन १०३ अरु
णसारथी १०४ अ[illegible]स्तु १०५ अशीतरश्मि १०६ उष्णकर १०७ [illegible]उ
ष्णिन १०८ अक्षीरोद १०९ अचल क्षति ११० अताप्य १११ अतीन्द्रिय
११२ उत्तम ११३ उत्तरसाधु ११४ सावर्ण ११५ सावित्री ११६ सावि
ता ११७ सायनसोध्य ११८ सा ग र ११९ साम १२० सामवेद १२१
सारंगधन्वा १२२ सहस्राक्ष १२३ स ह स्रांशु १२४ सहस्रक्षमा १२५ स
हस्रदीधिति १२६ सहस्रयान १२७ स हस्रचक्षु १२८ सहस्रो ष्मा १२९ सह
स्रकर १३० सहस्रकिरण १३१ सहस्ररश्मि १३२ सदायोगी १३३ सदोग
ति १३४ सुधर्मा १३५ सिंह १३६ सिद्धकार्य १३७ सुताजित १३८ सुप्रस
न १३९ सुप्रदायक १४० सुप्रसादन १४१ सुप्रसाकर १४२ सुप्रिय १४३ सुपर्ण

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

सन्नार्चि ॥८८॥ सन्नाश्च ॥८९॥ सन्नजिह्व ॥९०॥ सन्नलोक ॥९१॥ नमस्कृत
॥९२॥ सन्नमीप्रिय ॥९३॥ सन्निमान ॥९४॥ सन्नमन्नि ॥९५॥ सन्नउरस्क ॥९६॥
स्वाहाकर ॥९७॥ सुवाहन ॥९८॥ स्वाहान्तकृ ॥९९॥ स्वाचार ॥१००॥ सुवा
कृ ॥१०१॥ सुसंयुक्त ॥१०२॥ स्वस्तिकृ ॥१०३॥ स्वजन ॥१०४॥ सुवेश ॥१०५॥ सू
क्ष्म ॥१०६॥ सूक्ष्मधी ॥१०७॥ सोम ॥१०८॥ सूर्य ॥१०९॥ सुवर्ण ॥११०॥ स्वर्ण
॥१११॥ स्वर्णरेता ॥११२॥ सुखिशि [illegible] ॥११४॥ सविता ॥११५॥ सिद्धेश्व
रिपु ॥११६॥ स्वयविभु ॥११७॥ स्वय [illegible] ॥११८॥ सुखप्रद ॥११९॥ सुखी ॥१२
०॥ सुखसेव ॥१२१॥ सुकेतन ॥१२२॥ स्कंद ॥१२३॥ सुलोचन ॥१२४॥ समा
हित ॥१२५॥ समति ॥१२६॥ समायुक्त ॥१२७॥ समकृति ॥१२८॥ सुमहाबल ॥१२
९॥ सुमुद्र ॥१३०॥ सुमूर्त्ति ॥१३१॥ सुसिद्धा ॥१३२॥ सुमना ॥१३३॥ सुमनोहर ॥१३४॥
सुमेगल ॥१३५॥ सुमति ॥१३६॥ सुमत ॥१३७॥ सुमिति ॥१३८॥ जयसनातन ॥१३९॥

संसारावतारक ॥१४०॥ तारक ॥१४१॥ संसारगति ॥१४२॥ विच्छन्ना ॥१४३॥ सं
सारतारक ॥१४४॥ सेहत्रीसपर्ण ॥१४५॥ संयन्ता ॥१४६॥ संप्रकाशक ॥१४७॥ संप्र
तापन ॥१४८॥ संचारी ॥१४९॥ संजीवन ॥१५०॥ संयम ॥१५१॥ संविशागी ॥१५२॥ सं
वत्सरीक ॥१५३॥ संवत्सर ॥१५४॥ संवत्स [illegible] रकर ॥१५५॥ सुनयसुनेत्र ॥१५६॥ सं
कल्पयोनि ॥१५७॥ संतापन ॥१५८॥ सं [illegible] तानकृत ॥१५९॥ संतयन ॥१६०॥ सु
सधक्क ॥१६१॥ सुराकृत ॥१६२॥ सु [illegible] रिहा ॥१६३॥ सुराशि ॥१६४॥ सर्व
सहप्रभ ॥१६५॥ सर्वतन्त्र ॥१६६॥ सर्वद ॥१६७॥ सर्ववेत्ता ॥१६८॥ सर्वप्रिय ॥१६९॥
सर्ववेद ॥१७०॥ प्रगीतात्मा ॥१७१॥ स [illegible] र्ववेदालय ॥१७२॥ सर्वरत्नमय ॥१
७३॥ सरपूजित ॥१७४॥ सर्वलोकप्रकाशक ॥१७५॥ सुरपति ॥१७६॥ सर्व
तार्त्ति ॥१७७॥ निवारण ॥१७८॥ सर्वतोसुख ॥१७९॥ सर्वप्रहणायुध ॥१८०॥ स
र्वप्रकाशक ॥१८१॥ सर्वग ॥१८२॥ सर्वज्ञ ॥१८३॥ सर्वकल्याण सज्जन ॥१८४॥ स

वैसारदी॥४५॥ सर्वज्ञा सर्वशक्तिरूढवरा॥४६॥ सुरेशा॥४७॥ स्वधा॥४८॥ सदिकरा॥४९॥ सुरकाद्यरूढा॥५०॥ स्वर्गेद्वारा॥५१॥ स्वर्गप्रदीपा॥५२॥ स्वर्गवीथी॥५३॥ सुरमणि॥५४॥ सुरनिसा॥५५॥ सुरश्रेष्ठा॥५६॥ सिद्धिश्रेष्ठा॥५७॥ श्रेष्ठात्मा॥५८॥ श्रिष्टिकृत॥५९॥ श्रिष्टिकर्त्री॥६०॥ सुरघसिना॥६१॥ स्थावरात्मका॥६२॥ स्थाणु॥६३॥ स्थूलहृक्॥६४॥ स्थविरस्थिति॥६५॥ स्तेय॥६६॥ स्थिति॥६७॥ स्थितिदेहा॥६८॥ स्थिरात्मका॥६९॥ स्थिति॥७०॥ स्थ य॥७१॥ स्थितिप्रिया॥७२॥ सुतय॥७३॥ सत्या॥७४॥ स्तोत्रा॥७५॥ स त्यवान्॥७६॥ सत्यसंधिरूढा॥७७॥ हेमा॥७८॥ हेमानकरण॥७९॥ होता॥८०॥ हयगा॥८१॥ हस्ति॥८२॥ हिमद॥८३॥ हेसा॥८४॥ हरा॥८५॥ हरि॥८६॥ हरिदश्व॥८७॥ हरिप्रिया॥८८॥ हर्षी॥८९॥ स्वहरि॥९०॥ हिरण्यगर्भ॥९१॥ हिरण्यरेता॥९२॥ हरिकास्व ३

ऋतु॥९३॥ होता॥९४॥ ऋति॥९५॥ द्यो॥९६॥ ऊस्वज्ञा॥९७॥ ऋभुक्षतात्रा॥९८॥ क्षता॥९९॥ क्षतायह॥१००॥ क्षतसदना॥१॥ क्षतरो॥२॥ क्षतविद्वेषी॥३॥ क्षमकेतु॥४॥ क्षामा॥५॥ क्षीर॥६॥ धर्मात्मा॥७॥ धनाध्यक्ष॥८॥ धनद॥९॥ धनेजटा॥१०॥ धन्या॥११॥ धनुर्द्धर॥१२॥ धनत्माना॥१३॥ धरा॥१४॥ क्रत्व॥१५॥ धर्म॥१६॥ धर्मा॥१७॥ धर्मप्रवर्त्तक॥१८॥ धर्मेश्वर॥१९॥ धर्मद॥२०॥ धर्मेध्वज॥२१॥ धर्मवृद्ध॥२२॥ धर्मवत्सल॥२३॥ धर्मे के तु॥२४॥ धर्मकर्त्ता॥२५॥ धर्मनित्य॥२६॥ धर्मराज॥२७॥ धर्मनर॥२८॥ धरणीधर॥२९॥ धृतात्मत्रा॥३०॥ प्रवर्त्तक॥३१॥ क्षतिमान॥३२॥ दिवा॥३३॥ दादशात्मा॥३४॥ दाशुर॥३५॥ दिवापुष्ट॥३६॥ दिवापति॥३७॥ दिवाकर॥३८॥ दिवाकृत॥३९॥ दिवस्पते॥४०॥ दिवस्थिति॥४१॥ दिव्यवाह॥४२॥ दिवाघसु॥४३॥ दिव्यरुय॥४४॥

दक्षदक्ष ॥४७॥ दयालु ॥४८॥ दिव्यकर्मा ॥४९॥ दीप्तिमान् ॥५०॥ दीप्त ॥
५१॥ दीप्ताक्ष ॥५२॥ दीप्त ॥५३॥ दीप्ति ॥५४॥ देव ॥५५॥ देवद्योति ॥५६॥ द्यो
तन ॥५७॥ द्योतिन ॥५८॥ द्योतिनां ॥५९॥ निल ॥६०॥ दिक्पति ॥६१॥ दि
ग्वभा ॥६२॥ दक्ष ॥६३॥ दिनाधी ॥६४॥ दिनप्रणी ॥६५॥ दिनबंधु
॥६६॥ दिनकृत ॥६७॥ दिनना थ ॥६८॥ डराध ॥६९॥ यायनाग्नं
॥७०॥ यावन ॥७१॥ सास्वा न् ॥ ७२॥ सास्कर ॥७३॥ सासते ॥
७४॥ सासित ॥७५॥ सासिता ॥ त्मा ॥७६॥ साम्यसानु ॥७७॥ सानेमि
॥७८॥ सानुकेसर ॥७९॥ सानुमा न् ॥८०॥ सानुरय ॥८१॥ बक्रहाय
कं ॥८२॥ सूधर ॥८३॥ सवद्दिद्योत ॥८४॥ सूयति ॥८५॥ सूयसोगी ॥
८६॥ सोक्ता ॥८७॥ सुवनप्रजित ॥८८॥ सुवनेस्वर ॥८९॥ सप्तु
॥९०॥ सूतात्मा ॥९१॥ सूताद्दि ॥९२॥ सूतोतकरण ॥९३॥ सोम ॥९४

सोमन ॥९५॥ समसगवान् ॥९६॥ सक्रवत्सल ॥९७॥ बक्रमंगल ॥
९८॥ बक्रकय ॥९९॥ स्तहार ॥१००॥ सिधवर ॥१०१॥ बुद्धि ॥१०२॥ बु
द्धिवर्धन ॥१०३॥ बुद्धिमान् ॥१०४॥ बुध ॥१०५॥ पद्महस्त ॥१०६॥ पद्मपा
णि ॥१०७॥ पद्मबंधु ॥१०८॥ पद्मगो गी ॥१०९॥ पद्मयोनि ॥११०॥ पद्मोदर
॥१११॥ निलानन ॥११२॥ पद्मेक्षण ॥ ११३॥ पद्ममाली ॥११४॥ पद्मनास
॥११५॥ पद्मिनिनाथ ॥११६॥ पद्मा न् ॥ ११७॥ पद्मिनात्मा ॥११८॥ पद्मा
पीतवासा ॥११९॥ पद्मी ॥१२०॥ बल ॥१२१॥ बलस्तत्र ॥१२२॥ बलप्रिय
॥१२३॥ बलवान् ॥१२४॥ बलि ॥१२५॥ बलिनांबर ॥१२६॥ पिनाकधृक्
॥१२७॥ बिंदु ॥१२८॥ बेध ॥१२९॥ बेधस ॥१३०॥ पेंडरीकाक्ष ॥१३१॥ पुण्यकीर्त्ति
न ॥१३२॥ पुण्यहेतु ॥१३३॥ परप्राणवान् ॥१३४॥ परावरज्ञ ॥१३५॥ परायण ॥१३६
॥ प्राज्ञ ॥१३७॥ पराक्रम ॥१३८॥ प्राणधारक ॥१३९॥ प्राणवान् ॥१४०॥ प्राशु ॥१४१

॥ प्रसन्नात्मा ॥ प्रसन्नवदन ॥ ब्रह्मा ॥ ब्रह्मचर्यवान् ॥ प्रद्योत ॥ प्रद्योतन ॥ प्रसाद ॥ प्रसेजन ॥ परप्राण ॥ परपुरंजय ॥ प्रजाद्वार ॥ प्रजापति ॥ प्रजन ॥ प्रियन्प्रिय ॥ प्रियदर्शन ॥ प्रियकार ॥ प्रियकृत् ॥ प्रियवद ॥ प्रियकर ॥ ६ ॥ प्रयत ॥ प्रीयत ॥ प्रीति ॥ प्रजनन ॥ प्र य त ॥ त्मा ॥ प्रितात्मा ॥ प्रीतिमन ॥ प्रकाशन ॥ प्र रु ति ॥ खिन ॥ प्रलेबह ॥ रम ॥ परम ॥ परमोदर ॥ ७ ॥ परमेष्ठ ॥ पुरंदर ॥ प्रणतार्त्तिह ॥ प्रणतार्त्तिहर ॥ परंतप ॥ प्ररेत ॥ प्रेत ॥ प्रत ॥ प्रशम ॥ प्रशयन ॥ प्रशयन ॥ एधीप्रधिन ॥ प्रतीतात्मा ॥ प्रत्यह ॥ पुरुष ॥ पुरुषोत्तम ॥ ८ ॥

पशुमान ॥ पिता ॥ पितामह ॥ पतेग ॥ पिचद्धार ॥ सुकल्पनित्य ॥ बश्रक्कार ॥ ज्यायान् ॥ ज्याम ॥ जा मदग्न्यजित ॥ चारुचरित ॥ जा ठर ॥ जानवेदा ॥ वेदवाहन ॥ योगी ॥ योगीश्व र ॥ पति ॥ योगनित्य ॥ यो गतत्पर ॥ ज्योतिरीश ॥ ज य जीव ॥ जीवानेद ॥ जी वन ॥ जीवनाश ॥ जी मू त ॥ जयप्रिय ॥ जेता ॥ युग ॥ युगादिकृत ॥ यु गावर्त्त ॥ जगदाधार ॥ ज गदादिज ॥ जगदानेद ॥ ज गदीय ॥ जगदेता ॥ यज्ञ ॥ यज्ञपति ॥ चक्रपाणि ॥ चक्रेबेश ॥ चक्रवर्त्ति ॥ जगन्नाथ ॥ जगत ॥ जगतामंत ॥ कारण ॥ जगतापति ॥ जगत्साक्षी ॥ जगत्प्रिय ॥ जगत्पति ॥ जगत्पिता ॥

डाक्टर भाऊदाजी इंस्टीट्यूट स्मारकम् DR. BHAU DAJI MEMORIAL

जगज्जनानंद जनार्दन चेकर जनेश्वर जगन्
त्यनयिता जंगम चरा चरात्मा टंका स्त्री जि
ल्ल जिताचरात्मा जितवसु जितेंद्रियः चतुरज
चतुर्वेद चतुर्वेदमय चतुर्मैत्र चित्रांगद
वसुकि वासरसा मी वासरप्रस्थ वासर
प्रिय वासरेसिता वा सरेश्वरा वाहनात्रिद
रा वायु वायुवाहन वायुरत वाग्विसार
दवागमी वारिह वारण वसुदाता वसुप्रद वि
श्वप्रिय वसुमान् विसृज विहारी विहग
वाहन विहंगमविहित वदान्य विधि विधा
ता विधेय विद्वान् विद्यो विद्यावान्

विद्याराज विद्योतन विद्यज्ञान विद्यत वि
दितात्राय विणाष्मा विस्तावसु विस्तव वच
सायनि विजय विजयप्रद विजेता विच
क्षण विचित्ररथ विद्वान् विविध
विविधात्मन वज्रधर व्यासव्याधि प्रणात्मन
वेदांग वेदपारग वैद्य वेदस्तत वेद
वाहन वेदविद्य वैद्य वि त वेदकर्त्ता वेदमूर्ति
वेदनिलय योगा योगमणि योगवान्
वक्ता वार वैश्रवण विगाही विग्रहमन
विष्णु विग्रह विकृति वक्ता विगतारिष्ट
विगतात्मा विमत्व विमलकृति विमत्स

मयी विनिश्च विराज विराट् बृहस्पति च
हकीर्ति बृहत्तेजा वरद वरदाता वृद्धि
वृद्धिद वरप्रद वर्चस विरुकाक्ष विरोचन
वरीयन् वरेण्य वरुण वरुणाधिक
वरनायव वरुणेस वृत्रि वृत्रिधर वृत्रि
चारी वृषाकपि ब्र ष ध्वज वज्रानुग वि
श्वास विश्व विश्वा मि त्र विश्वात्मा विश्व
सावन विश्वयोनि विश्वजित् विश्वबिब
विश्वेश्वर विशोक विश्वेस्तर विश्वकर्मा
विश्वनलय विश्वरूपी विश्वतायन विश्वतोमु
ख विशेषविद विभु विशिष्टात्मा विषाद

काककाल कालानलक्षति कालहा का
लचक्र प्रवर्तक कालकर्त्री कालनाशन
कालत्रयकाम कामारि कामद कामचारि
कांक्षिक कांक्षि का स्पृह कार्य कारण
वह कारुणिक का श्री स्वर कात्रपेय
कापोत रवलिलक ए ए षद्योत खोल्का
खग खगसन्नम घृ मी शु घृणी घृणिमा
न् कपि गस्तिमा ली गस्तिमान् कु
बेर कपिल कपर्द कवि गोप्पति क
वच कवची गोविद गोमान् ज्ञानवान्
ज्ञानगम्य ज्ञानसोपान ज्ञेयक पर्णकीर्त्ति

कीर्त्तिवर्द्धन कीर्त्तिकर केतुमान् गमनकेतु गगनमणि कलाकल्पः कल्पांत कल्पांतक कल्पतकीरण कल्पानकर कल्पद्रुम कल्पकर्त्ता कल्पांतवर कल्पिकालद्रु कल्याण कल्याणकर कल्याणद्रुत कल्पवपुः कला धा य द्र कमलाकर बोधन कमलानंद गुणाधवह कुकुली गणपति कुचकी गुणवान् गणेश्वर गणनायक गुरुगृहद गृहपति ग्रहपुंख ग्रहेश्वर ग्रहनाघ ग्रहनक्षत्रमेकनं क्रियाहेतु क्रीयावान् ८

गरीयान् किरीटी कर्म्मसाक्षी करण किरण कर्णसु कृत्तवासा कृत्तवात्मा कृतकर्त्ता कृताहारा कृतोत्सव कृतात्मा कृतास्त्रिण कृतयत्नि कृतविद्या कृता कृत कृत्य कृतमंगल कृतिनांवर कृतिनि कृष्णजी कृ मे कृमस्थिति प्रिय क्ली लोकत्रयलायह गतिमान् लो हि लोग लोकाध्यक्ष लो कालोक नमस्कृत लो कसाक्ष लोकचेषु लो ककवत्सल लोकत्रा लोककार लोकनाघ लो कत्रयाश्रय मास मानी दामानोधाता माना मारुत मार्त्तंड मानद महेष्वेताप्रिय म

ल बाहु महाबुद्धि महाबल महायोगी महा
यमा महीधरो महीवीर्य महावराह महाद
त्ति महाकारुणि कोशम महोमङ्ग महान
महारघ महाशक्ति महाग्नि महातेजा
महात्मा महर्द्धि महोत्साह महेश्व मही
हरमहेश्वर मिहिर महित महत्तर
मोक्षसदन मोक्ष मो क्ष धर मोक्षहेतु मो
क्षदायक मोक्षकार मोनी मेधा मेधावी
मेध्य मेधिक मेरु मेय मकुटी मनुमु
नि मदार मैदिल क्षयण मनोहर मनो
रूप मंगल मंगलालय मंगलवान् मंगली ए७

मंगलकर्त्ता मंत्र मंत्रमूर्त्ति मिरी चीमा
ला मत्स्य मरुता मीष्मरिश्वर मरुतांपति
मिश्रचार मिति ममिमान् नाकार
नाकपाल नागराट् नारायण नाघनस्स
नसस्वान् नसोवगा ह न नस्तकेतन नूत
नमोत्तर नयनैकरू य नेकरूपात्मा नी
लकंठ नीललोहित नेतानि त्योदिन नि
त्यगमि नित्यघ रा जा राजावप्रिय राज्ञी
पति रुद्रि रुद्र रसरुचिप्रद रविरोचिला
रोगहरेण रेणव रेवंत रुषिकेत्रा रक्षो
घ रक्तांग रश्मिमाली रुद्र रमाधीश र

घाधारू रघारूढ रघुपति रघी रघितोवर व्यता
त्मा निकेतना नीहन्तायति नंदिवर्द्धन नेदन
नर निराकुल निरहंकार निर्बंध निर्गुण
निरंजन निर्णये नित्य ग्राम्यते ग्रांत
प्रिय ग्रामाष्टहर शु ६ शुसशुसाचार शु
सप्रद शुसकर्मा ग्रा ष्टकर शुक्ल ग्रा
वि ग्रोसा ग्रोसनश्च र ग्रीघ्र ग्रीघ्रगति
ग्रोषशुक्र शुक्रांग शुक्ररूप ग्रक्किमान्
ग्रक्किमतां ग्रेश ग्रानश्वर ग्रानेश्वरपिता
ग्रांस्तू ग्रार्व श्रीधर श्रीयति श्रेयस्कर
श्रीकंठ श्रीमान् श्रीमतांवर श्रीनिवास

श्रीनिकेतन ग्रारण्य ग्रारण्यर्त्ति हरश्रुति मा
सूत्रातल्लिंड ग्रातमुख ताप्ती तापन तारा
पति तार्क्ष्यवाहन तपन तपनांबर त्रसमा
ण त्रासा त्रिषामात्र तेज तेजसायति
तेजसानिधितेजस्वी तेजोनिधि तेजोरात्रि
तेजनिलय ती व्र तीक्ष्ण दीधति
तार्धतिगंभु तिमिश्रह तमः तमोहार
तमोन्नद तमोरति तमघ्नति मरायह
त्रिविक्रम त्रिविष्ट प्रत्रय त्रेता त्रिक
सेस्तित त्रक्षर त्रिलोचन त्रिलोकेत्रा
तरणि त्रंबक त्रम्बयति गजयति बत्र

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

त्रयविरातेक श्रीमत्पाहि अकबर जलाल
दीननृपति पुत्रपौत्रादिपरवार सहितस्य ज
यंसमत्र

ॐनमोभगवते सहस्रक रणाय हादशमस्तके त्रैलोक्य
क्षोभजिताय सर्वोपद्रवना शा नाय सर्वशत्रुक्षयकारिणे
सर्वसिद्धिकराय क्लीं क्लीं क्लूं नमः सर्वसिद्धकर